प्रश्नपत्र कूट संख्या - 4173
एम. ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-20
तृतीय प्रश्न पत्र: काव्य, नाटक एवं साहित्य शास्त्र

पाठ्यक्रम **पूर्णांक: 100**
अंक

1. मेघदूत - कालिदास
2. मुद्राराक्षस - विशाखदत्त
3. साहित्यदर्पण - विश्वनाथ प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद (1-29 कारिकापर्यन्त)

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - मेघदूत (कालिदासकृत)
द्वितीय इकाई - मुद्राराक्षस नाटक (विशाखदत्तकृत)
तृतीय इकाई - साहित्यदर्पण (विश्वनाथकृत) इसके प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद (1-29 कारिका पर्यंत)
चतुर्थ इकाई - - ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) (आनन्दवर्धनकृत)
पंचम इकाई - - नाट्यशास्त्र (भरतमुनिकृत) अध्याय प्रथम तथा द्वितीय

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड

20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघूत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान भाव से पूछे जाएँगे।

द्वितीय खंड
(व्याख्यात्मक भाग) **50**
अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा।

(क) मेघदूत के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी । **10**
अंक

(ख) मुद्राराक्षस के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) साहित्यदर्पण के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेदों (1–29 कारिका) में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत से किसी एक कारिका की संस्कृत भाषा के माध्यम से व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ड.) नाट्यशास्त्र के प्रथम तथा द्वितीय अध्याय की कारिकाओं में से किसी एक कारिका की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 10 अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) 30 अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 300 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 15 – 15 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे। 15 अंक

(1) कालिदास की काव्य–कला की विशेषताएँ, मेघदूत का मार्ग, मेघदूत एक गीतिकाव्य है

– इस कथन की पुष्टि, मेघदूत का प्रकृति सौन्दर्य।

(2) मुद्राराक्षस की नाट्यकला की दृष्टि से समालोचना, मुद्राराक्षस के मुख्य पात्रों का चरित्र–चित्रण, विशाखदत्त की नाटककार की दृष्टि से समालोचना।

द्वितीय प्रश्न – निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर आधारित होगा। 15 अंक

(1) साहित्यदर्पण के निर्धारित पाठ्यक्रम की विषयवस्तु।

(2) ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत के आधार पर ध्वनि की परिभाषा, विपक्षी मतों का खंडन, ध्वनि के पक्ष में युक्तियाँ–उदाहरण।

(3) नाट्यशास्त्र में विवेचित नाट्योत्पत्ति–विषयक विवेचना, पारिभाषिक शब्द विवेचन।

सहायक पुस्तकें –

1. संस्कृत के संदेशकाव्य – रामकुमार आचार्य
2. संस्कृतकविदर्शन – भोलाशंकर व्यास
3. महाकविकालिदास – रमाशंकर तिवारी
4. मेघदूत–एक अध्ययन – वासुदेवशरण अग्रवाल
5. मेघदूत (सम्पा.) – एम.आर. काले
6. साहित्यदर्पण (सम्पादक) – पी.वी. काणे
7. साहित्य दर्पण (विमला टीका) – शालिग्राम शास्त्री
8. काव्यशास्त्र का इतिहास – पी. वी. काणे, अनु. इन्द्रचन्द्र शास्त्री
9. अलंकारमीमांसा – डॉ. उमेश मिश्र
10. भारतीय दर्शन – डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी